IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 8, June 2025
Impact Factor: 7.67

वैश्विक नागरिकता और सांस्कृतिक दक्षता: एक अवलोकन

हेमलता धरेन्द्र

hemlatad97@gmail.com

सारांश

वैश्विक नागरिकता और सांस्कृतिक दक्षता का उद्देश्य समाज में अंतरराष्ट्रीय समझ, सहयोग और शांति को बढ़ावा देना है। वैश्विक नागरिकता व्यक्ति को अपने देश के साथ-साथ पूरी दुनिया के कल्याण की ओर भी प्रेरित करती है, जबकि सांस्कृतिक दक्षता विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान और समझ विकसित करने पर जोर देती है। इन दोनों का विकास शिक्षा, संवाद और प्रौद्योगिकी के माध्यम से किया जा सकता है, जिससे हम एक समावेशी और सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।वैश्विक नागरिकता वह दृष्टिकोण है जो व्यक्ति को अपनी पहचान को राष्ट्रीय सीमाओं से परे विस्तारित करने और मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने की प्रेरणा देता है। यह विविध संस्कृतियों, परंपराओं और मान्यताओं के प्रति सम्मान, सहानुभूति और समावेशिता को प्रोत्साहित करता है। इसके विपरीत, सांस्कृतिक दक्षता वह क्षमता है जो व्यक्ति को विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों वाले लोगों के साथ प्रभावी और सम्मानजनक तरीके से संवाद और सहयोग करने में सक्षम बनाती है। इसका शोध हम पूर्व में किये गए अध्ययन एवं शोध सामग्री से करेगे |

मुख्य शब्द: वैश्विक नागरिकता, सांस्कृतिक दक्षता, विविधता, शिक्षा, आर्थिक विकास, समाज.

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in